[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2235 **L**

Unique Paper Code : 2272203601

Name of the Paper : Indian Growth and Development

Name of the Course : **BA (Prog.) with Economics as Major/Non-Major**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks (**18** marks each).
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं (प्रत्येक 18 अंक)।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Critically evaluate India's economic growth performance since Independence. What obstacles exist in sustaining a per capita income growth of around 7% annually?

2. Discuss the importance of Global Value Chains (GVCs) in modern trade. What policy measures can strengthen India's merchandise exports? How can India integrate into the world trade in the current scenario?

3. Explain the concepts of: (a) Demographic Dividend, (b) Demographic Deposit, and (c) Demographic Debt. Discuss their relevance in India's demographic transition.

4. Analyze the role of the services sector in India's exports. How does it contribute to global integration? Discuss major challenges and modes of service exports.

5. Examine whether industrialization in post-reform India has experienced stagnation. Use national and disaggregated data perspectives in your answer.

P.T.O.

6. What are the key challenges faced by Indian agriculture in achieving growth, equity, and sustainability? Suggest a strategy for the future growth.

7. Evaluate the Nehru–Mahalanobis strategy (1950–64), highlighting the major criticisms related to agricultural neglect and public sector expansion.

8. Short notes
   (a) Methodology of the Rangarajan Committee for poverty estimation.
   (b) Explain the position of servicification of Indian manufacturing.

1. स्वतंत्रता के बाद से भारत के आर्थिक विकास प्रदर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। प्रति व्यक्ति आय में लगभग 7% वार्षिक वृद्धि को बनाए रखने में कौन-कौन सी बाधाएँ हैं?

2. आधुनिक व्यापार में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (GVCs) के महत्व पर चर्चा कीजिए। भारत के माल निर्यात को मजबूत करने के लिए कौन से नीतिगत उपाय किए जा सकते हैं? वर्तमान परिदृश्य में भारत विश्व व्यापार में कैसे एकीकृत हो सकता है?

3. निम्नलिखित अवधारणाओं की व्याख्या कीजिएरू (क) जनसांख्यिकीय लाभांश, (ख) जनसांख्यिकीय जमा और (ग) जनसांख्यिकीय ऋण। भारत के जनसांख्यिकीय संक्रमण में इनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

4. भारत के निर्यात में सेवा क्षेत्र की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। यह वैश्विक एकीकरण में कैसे योगदान देता है? सेवा निर्यात की प्रमुख चुनौतियों और तरीकों पर चर्चा कीजिए।

5. यह जांच कीजिए कि क्या सुधारों के बाद के भारत में औद्योगीकरण में ठहराव आया है। अपने उत्तर में राष्ट्रीय और विखंडित आंकड़ों का उपयोग कीजिए।

6. विकास, समानता और स्थिरता प्राप्त करने में भारतीय कृषि के सामने प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं? भविष्य के विकास के लिए एक रणनीति सुझाइए।

7. नेहरू-महालनोबिस रणनीति (1950-64) का मूल्यांकन कीजिए, जिसमें कृषि की उपेक्षा और सार्वजनिक क्षेत्र के विस्तार से संबंधित प्रमुख आलोचनाओं पर प्रकाश डाला गया हो।

8. संक्षिप्त टिप्पणी :
   (क) गरीबी आकलन के लिए रंगराजन समिति की कार्यप्रणाली।
   (ख) भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के सेवाकरण की स्थिति स्पष्ट कीजिए।